पाठ योजना

विषय : मनोविज्ञान **कक्षा : 11**

अध्याय : अधिगम

उपविषय :प्राचीन अनुबंधन **अवधि: 40 मिनट**

अधिगम प्रतिफल:

- विद्यार्थी अनुबंधन के स्वरूप को समझ लेंगे.
- विद्यार्थी प्राचीन अनुबंधन के चरणों को समझ लेंगे.
- विद्यार्थी प्राचीन अनुबंधन के तत्वों की पहचान कर पाएंगे.
- विद्यार्थी अनुबंधित तथा अननुबंधित उद्दीपक की पहचान कर पाएंगे.

अधिगम उद्देश्य:

सामान्य उद्देश्य:

- विद्यार्थियों में ज्ञान व जागरूकता का विकास करना.
- विद्यार्थियों में मनोविज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना.
- विद्यार्थियों में स्वयं की समझ विकसित करना.

विशिष्ट उद्देश्य

पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों में निम्न परिवर्तन आ जाएंगे-

- विद्यार्थी अनुबंधन को परिभाषित कर पाएंगे.
- विद्यार्थी प्राचीन अनुबंधन के चरणों और क्रियाओं के बीच संबंध को समझ पाएंगे.
- विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन में उपयोग कर पाएंगे.

सीखने के स्त्रोत

- NCERT पुस्तक
- चाक बोर्ड
- चाक तथा डस्टर
- विषय से संबंधित चित्र या चार्ट

शिक्षण विधियां

- प्रश्नोत्तर विधि
- व्याख्या विधि
- आगमन निगमन विधि

अनुमानित पूर्व ज्ञान: विद्यार्थी अधिगम सम्बन्धी ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण:

5 E	अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया
संलग्न करना	शिक्षक प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करके विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करेगा। • कुछ पालतू जानवरों के नाम बताइए. • इनमें से किन जानवरों को हम प्रशिक्षित कर सकते हैं? • यदि आपने किसी जानवर को विशेष कार्य के लिए प्रशिक्षित किया है, तो अपने विचार प्रकट करें. अच्छा बच्चों, आज हम प्राचीन अनुबंधन विषय के बारे में अध्ययन करेंगे जिसमें एक कुत्ते को अभ्यास एवं प्रशिक्षण के माध्यम से अनुबंधित किया गया.	कुत्ता, गाय, मुर्गा, तोता आदि कुत्ता,तोता. विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए 3 से 4 मिनट का समय दिया गया.
अन्वेषण करना	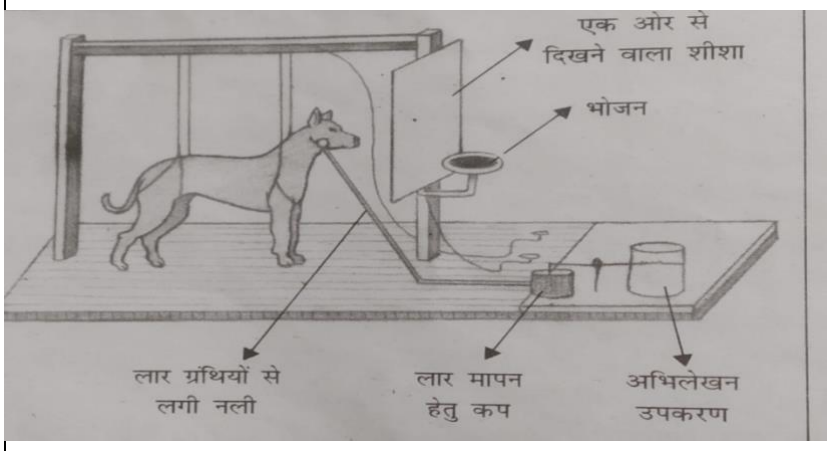 • आपको चित्र में कौन सा जानवर दिखाई दे रहा है? • यदि भूखे कुत्ते को कुछ खाना दिखाया जाए तो वह किस प्रकार की क्रिया करेगा?	कुत्ता खाना खाने की कोशिश

	• शाबास,यदि भोजन देने से पहले कुत्ते को घंटी की आवाज सुनाई जाए तो वह क्या प्रतिक्रिया देगा? • यदि बार-बार प्रतिदिन यही क्रिया दोहराई जाए अर्थात् कुत्ते को भोजन से तुरंत पहले घंटी की आवाज सुनाई जाए और फिर कुत्ते को भोजन दिया जाए, तो कुत्ते के व्यवहार में किस प्रकार का परिवर्तन आ जाएगा? बार बार यही क्रिया दोहराने से भोजन और घंटी की ध्वनि में संबंध स्थापित हो जाता है.इसे प्राचीन अनुबंधन के नाम से जाना जाता है.	करेगा, लार टपकायेगा चौंकेगा, आवाज की तरफ देखेगा विद्यार्थी संभावित उत्तर देने का प्रयास करेंगे.
व्याख्या करना	प्राचीन अनुबंधन का अध्ययन सर्वप्रथम इवान पी पावलव के द्वारा किया गया। प्रयोग के पहले चरण में एक कुत्ते को एक बॉक्स के अंदर शिकंजे में कस दिया गया और उसे कुछ समय के लिए इसी प्रकार रहने दिया गया. प्रयोग के दूसरे चरण में कुत्ते को भूखा रखने के पश्चात शिकंजे में कस दिया गया. नलिका का एक सिरा जबड़े में और दूसरा शीशे के जार में रखा गया. इसके बाद एक घंटी बजाई गई और उसके बाद तुरंत उसे खाने के लिए भोजन दे दिया गया. अगले कुछ दिनों तक उसे हर बार घंटी की ध्वनि के बाद भोजन प्रदान किया गया. इस तरह के कई प्रयासों के पश्चात एक परीक्षण प्रयास किया गया जिसमें घंटी को बजाने के बाद भोजन नहीं दिया गया. देखा गया कि कुत्ता भोजन प्राप्ति की आशा में घंटी की ध्वनि सुनने के बाद लार टपकाता रहा क्योंकि घंटी के साथ भोजन का संबंध था। घंटी और भोजन के बीच इस साहचर्य को अनुबंधन कहा जाता है. अतः भोजन अननुबंधित उद्दीपक (US) है और उसके बाद होने वाला लार स्राव अननुबंधित अनुक्रिया (UR) हैं. अनुबंधन के पश्चात घंटी की ध्वनि की उपस्थिति में लार का स्राव होने लगता है घंटी अनुबंधित उद्दीपक (CS) बन जाती है और लार का स्राव अनुबंधित अनुक्रिया (CR). इस प्रकार के अनुबंधन को प्राचीन अनुबंधन कहते हैं.	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को नोट करेंगे

विस्तार करना	चित्र 6.2 : प्राचीन अनुबंधन के चरणों और संक्रियाओं के बीच संबंध प्राचीन अनुबंधन की प्रक्रिया को हम चार्ट की सहायता से अच्छी प्रकार समझ सकते हैं. मनुष्य के दैनिक जीवन में प्राचीन अनुबंधन के अनेक उदाहरण मिलते हैं। • कल्पना कीजिए कि आप खाना खाकर अभी तृप्त हुए हैं तभी आप देखते हैं कि बगल की मेज पर आपकी मनपसंद मिठाई परोसी गई है तो आप कैसा अनुभव करेंगे?	मिठाई देखकर मुँह में पानी आ जायेगा.
	बिलकुल सही, यह भी एक अनुबंधित अनुक्रिया है. • किस अवस्था में बच्चे तीव्र ध्वनि से स्वाभाविक रूप से डर जाते हैं? • यदि कोई छोटा बच्चा फूला हुआ गुब्बारा देखता है तो किस प्रकार की प्रतिक्रिया करता है? • मान लीजिए एक छोटा बच्चा फूला हुआ गुब्बारा पकड़ता है जो तीव्र ध्वनि के साथ उसके हाथों में फट जाता है, तो बच्चे की प्रतिक्रिया क्या होगी? अगली बार जब उस बच्चे को गुब्बारा दोबारा पकड़ाया जाता है तो यह उसके लिए तीव्र ध्वनि का संकेत बन जाता है और वह भय की अनुक्रिया उत्पन्न करता है। अनुबंधित उद्दीपक के	बाल्य अवस्था में वह खुश हो जाता है. वह डर जायेगा.

	रूप में ग्ब्बारे तथा तथा अनन्बंधित उद्दीपक के रूप में तीव्र ध्वनि के साथ साथ प्रस्तुत किए जाने के कारण ऐसा होता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्राचीन अन्बंधन में एक उद्दीपक दूसरे उद्दीपक की सूचना देने वाला बन जाता है.	
मूल्यांकन	1 प्राचीन अनुबंधन का अध्ययन किसके द्वारा किया गया? 2 प्राचीन अनुबंधन के प्रयोग में अनुबंधित उद्दीपक क्या था? 3 दैनिक जीवन से संबंधित प्राचीन अन्बंधन का कोई उपयोग बताइए.	पावलाव द्वारा घंटी की ध्वनि बुरी आदतों से छुटकारा पाने में सहायक

सारांश:

प्राचीन अनुबंधन में अधिगम की स्थिति में उद्दीपक के बीच साहचर्य स्थापित होता है और एक उद्दीपक दूसरे उद्दीपक के आने की सूचना देने वाला बन जाता है यहां एक उद्दीपक दूसरे उद्दीपक के घटित होने की संभावना को दर्शाता है.

गृह कार्य:

1. प्राचीन अनुबंधन का अध्ययन सर्वप्रथम किसने किया?
2. प्राचीन अनुबंधन को परिभाषित कीजिए.
3. अनुसंधान के चरणों और संक्रियाओं के बीच संबंध को दर्शाइए.